ऐक्टिंग नहीं क्रिकेट था इरफान खान का पहला प्यार

साल 2014 के एक इंटरव्यू में इरफान ने माना था कि वह युवावस्था में क्रिकेटर बनना चाहते थे। और तो और उनका चयन सीके नायडू ट्रोफी के लिए भी हो गया था लेकिन पैसों की तंगी के चलते वह इसमें शामिल नहीं हो सके। इरफान ने कहा था, मैं क्रिकेट खेलता था और क्रिकेटर ही बनना चाहता था।

इरफान खान नहीं रहे, खेल जगत ने भी जताया दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। इरफान खान के जाने से न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि खेल जगत भी सदमे में है। अपनी अदाकारी और चेहरे की मासूमियत से इरफान ने सभी को अपना दीवाना बना रखा था। सचिन तेंदुलकार ने कहा कि इरफान खान के देहांत की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वह मेरे पसंदीदा कलाकरों में थे और मैंने उनकी लगभग हर फिल्म देखी है। आखिरी अंग्रेजी मीडियम थी। वह बहुत सहज अदाकारी करते थे। वह शानदार थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। उनके करीबियों के प्रति मेरी सहानुभूति है। क्रिकेटर सुरेश रैना की पत्नी प्रियंका रैना ने भी इरफान की मौत पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि अदाकार में आपका मनोरंजन करने, आपके दिल को भावनाओं से भरपूर करने और आपके दिल में जगह बनाने की प्रतिभा होती है। इरफान खान का यूं जाना दिल तोड़ देता है। एक ऐसा ऐक्टर जो जिसकी नैचरल ऐक्टिंग की मैं प्रशंसा करती हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। नमन वीरेंदर सहवाग,कैफ,लेग स्पिनर अमित मिश्रा,संग्राम सिंह,धावक हिमा दास,विजेंदर सिंह ने परिवार के प्रति जताई संवेदना।

हसी ने अपनी टीम में एमएस धोनी को नहीं चुना, क्यों

क्रिकेट

धोनी और डि विलियर्स ने टी20 और वनडे में अधिक प्रभाव छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी ने बुधवार को भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग, दिग्गज सचिन तेंडुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट में अपनी 'सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश' में शामिल किया।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 2005 से 2013 तक टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले हसी ने उन खिलाड़ियों को अपनी एकादश में जगह दी है जिनके खिलाफ उन्होंने टेस्ट मैच खेले। इस 44 वर्षीय क्रिकेटर ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाज के लिये मशहूर सहवाग और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को अपनी सलामी जोड़ी बनाया है। मध्यक्रम में उन्होंने ब्रायन लारा, तेंडुलकर, कोहली, जाक कैलिस और कुमार संगकारा को रखा है।

हसी ने तेंदुलकर और कोहली को बल्लेबाजी क्रम में चौथे और पांचवें नंबर पर रखा है। उनके गेंदबाजी आक्रमण में साउथ अफ्रीका के डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन और श्रीलंकाई स्पिन दिग्गज मुथैया मुरलीधरन शामिल हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा कि उनके लिये चेन्नै सुपरकिंग्स के उनके पूर्व साथी महेंद्र सिंह धोनी को बाहर रखना मुश्किल था। उन्होंने हालांकि अपने फैसले को सही बताया कि क्योंकि खेल के लंबे प्रारूप को देखते हुए उन्होंने धोनी पर संगकारा को प्राथमिकता दी।

हसी ने कहा, 'कुमार संगकारा, महेंद्र सिंह धोनी और एबी डिविलियर्स को लेकर मुझे काफी माथापच्ची करनी पड़ी। लेकिन मेरा मानना है कि धोनी और डि विलियर्स ने टी20 और वनडे में अधिक प्रभाव छोड़ा है। संगकारा ने टेस्ट क्रिकेट में काफी प्रभाव छोड़ा है।'

हसी से ग्लेन मैकग्रा, शेन वॉर्न और ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों का नेट्स पर सामना करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह बहुत मुश्किल होता था। उन्होंने कहा, 'अगर आपने नेट सत्र आसानी से झेल दिया तो फिर आप टेस्ट क्रिकेट की कैसी भी परिस्थिति से पार पा सकते हो। मैं जब खेला करता था तब यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की वास्तविक मजबूती थी।'

माइकल हसी की सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादशः वीरेंदर सहवाग, ग्रीम स्मिथ, ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, जॉक कैलिस, कुमार संगकारा, डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, जेम्स एंडरसन, मुथैया मुरलीधरन

बेहद प्रतिभाशाली थे सचिन और भी बहुत कुछ हासिल कर सकते थेः कपिल देव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सचिन तेंडुलकर क्रिकेट की दुनिया का बहुत बड़ा नाम है। भारत के इस महान खिलाड़ी ने बल्लेबाजी के तमाम रेकॉर्ड अपने नाम किए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन। वनडे इंटरनैशनल में 10 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी। बल्लेबाजी का लगभग हर रेकॉर्ड सचिन तेंडुलकर के नाम है। लेकिन भारत की 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव का मानना है कि सचिन में जितनी प्रतिभा थी वह और भी काफी कुछ हासिल कर सकते थे। एक रेडियो चैनल से बात करते हुए कपिल ने कहा, श्कई लोग मेरी बातों को गलत समझ लेते हैं। मेरे विचार से सचिन तेंडुलकर भारत के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रहे हैं। मैं अब भी यही मानता हूं कि उन्होंने जो हासिल किया वह उससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकते थे।

उन्होंने काफी कुछ हासिल किया है, किसी ने उनसे बेहतर नहीं प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन मैं मानता हूं कि सचिन और भी हासिल कर सकते थे।

कपिल देव ने देश के लिए 24 साल तक खेलने के लिए सचिन तेंडुलकर की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह कोई आसान काम नहीं है। कपिल ने युवाओं को सचिन से सीखने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि जब तक ऐसे क्रिकेटर रहेंगे क्रिकेटर कभी खत्म नहीं होगा।

चोट से कैंसे बचें? एमसी मेरी कॉम ने दी खास सलाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। छह बार की विश्व चौंपियन एमसी मेरी कॉम ने मंगलवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा संचालित ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रम में साथी मुक्केबाजों को चोटों के प्रबंधन को लेकर जानकारी दी। बीएफआई के अनुसार मेरी कॉम के साथ भारतीय टीम के डाक्टरों और फिजियो ने भी इस सत्र में हिस्सा लिया जिसे तीन सौ के करीब प्रतिभागियों ने देखा।

ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता मेरी कॉम ने कहा, 'उनके साथ बात करने से मुझे अपने शरीर की बेहतर जानकारी होने के महत्व को समझने में मदद मिली। किस तरह कसरत करके चोटों से बचा जा सकता है और सर्जरी ही हमेशा एकमात्र उपाय नहीं होता, यह मुझे काफी बाद में समझ आया।' डाक्टरों और फिजियोथेरेपिस्टों ने कई सामान्य भ्रांतियों पर विस्तार से बात की जिसमें 'मेरे शरीर में पहले से ही लचीलापन है इसलिए स्ट्रेचिंग की जरूरत नहीं, भार के साथ ट्रेनिंग करने से चोट बढ़ जाएगी और पट्टी बांधकर खेलने से चोटिल होने से बच जाएंगे' जैसे विषय शामिल थे। मेरी कॉम ने प्रतिभागियों को कहा कि व्यायाम सर्वश्रेष्ठ दवा और फिजियो की सलाह सर्वश्रेष्ठ उपचार है।

न्यूज डायरी

जब देसी बॉयज बन गाया– सुबह होने ना दे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वेस्ट इंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल आज यानी 29 अप्रैल 2020 को अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। करियर में अभी तक 1 टेस्ट, 56 वनडे और 49 टी20 इंटरनैशनल मैच खेलने वाले रसेल के बर्थडे पर उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। 19 साल की उम्र में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू करने वाले रसेल का यह वीडियो उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स ने शेयर किया है। वीडियो में रसेल बॉलिवुड फिल्म देसी बॉयज गाना सुबह होने ना दे गाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में कोलकाता नाइटराइडर्स टीम के उनके साथी दिनेश कार्तिक भी नजर आ रहे हैं। टी20 में वह कमाल के क्रिकेटर हैं और यही फॉर्मेट अब उनकी पहचान भी बन गया है। यही वजह है कि देश–विदेश की टी20 लीग में खेलते हैं। वह भारत में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग के अलावा पाकिस्तान सुपर लीग और बांग्लादेश की टी20 लीग में भी खेलते हैं।

लॉकडाउन में इरफान पठान बने हेयरस्टाइलिस्ट, काटे भाई यूसुफ के बाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस से बचाव के तौर पर पूरे भारत में 3 मई तक लॉकडाउन घोषित है और ऐसे में क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियां अपने–अपने घर पर समय बिता रही हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान भी अपने घर पर हैं और वह इस दौरान सोशल मीडिया पर भी काफी ऐक्टिव हो गए हैं। इरफान पठान के बडेघ भाई यूसुफ ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें उन्होंने बताया कि उनके बाल इरफान ने काटे हैं। उन्होंने अपने हेयरस्टाइल में पहले और बाद में भी दिखाया है। यूसुफ ने इसके साथ कैप्शन में लिखा, पहले और बाद में, अगली तस्वीर में देखें कि बारबर कौन था। इन तस्वीरों को अभी तक 67 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है।

सहवाग से ज्यादा प्रतिभाशाली था नजीर, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ज्यादा समझदार थाः अख्तर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का मानना है कि वीरेंदर सहवाग के दौर में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी इमरान नजीर इस आक्रामक भारतीय से ज्यादा प्रतिभाशाली थे लेकिन ज्यादा समझदार नहीं थे। अख्तर ने यह भी कहा कि उन्हें देश के क्रिकेट प्रशासन से भी सहयोग नहीं मिला। अख्तर को लगता है कि पाकिस्तान ने नजीर की प्रतिभा की कद्र नहीं की। उन्होंने स्थानीय मीडिया से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इमरान नजीर उतने समझदार थे जितने सहवाग। मुझे नहीं लगता कि सहवाग में इतनी प्रतिभा थी, जितनी नजीर में थी। प्रतिभा के मामले में कोई तुलना नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'जब उसने भारत के खिलाफ एक अभ्यास मैच में आक्रामक शतक लगाया था तो मैंने इमरान नजीर को लगातार खिलाने की बात कही लेकिन प्रशासन ने बात नहीं सुनी।' नजीर ने पाकिस्तान के लिए केवल आठ टेस्ट मैच खेले और उनमें 427 रन बनाए जबकि 79 वनडे में उन्होंने देश के लिए 1895 रन जोड़े। वहीं सहवाग ने भारत के लिये 104 टेस्ट में 8586 रन और 251 वनडे में 8273 रन बनाए।

तेंडुलकर, धोनी और कोहली से सीखे उमरः कामरान अकमल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तानी टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर कामरान अकमल को लगता है कि तीन साल का प्रतिबंध झेल रहे उनके छोटे भाई उमर अकमल को सचिन तेंडुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली के मैदान के अंदर और बाहर के आचरण से सीख लेनी चाहिए। उमर पर पीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग से पहले भ्रष्ट संपर्कों की जानकारी नहीं देने के लिए तीन साल का प्रतिबंध लगाया है। कामरान ने 'काउ कॉर्नर क्रॉनिकल्स' कार्यक्रम में कहा, 'मेरी उमर को सलाह है कि उसे सीख लेनी चाहिए। अगर उसने गलती की है तो उसे दूसरों से सीखना चाहिए। वह अभी युवा है। उन्होंने कहा, 'लेकिन उसे विराट कोहली से जरूर सीख लेनी चाहिए। इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती दिनों में विराट अलग तरह का इंसान था और इसके बाद उसने अपना रवैया बदला।